भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1572

जिसका उत्तर 13 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

गुजरात में घटता भूजल-स्तर

1572. श्रीमती गनीबेन नागाजी ठाकोर:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बनासकांठा सहित पूरे गुजरात में भूजल-स्तर घट रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार बनासकांठा सहित गुजरात में जल संरक्षण के लिए व्यवस्था कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा अपने मॉनिटरिंग स्टेशनों के नेटवर्क के माध्यम से वर्ष में चार बार क्षेत्रीय स्तर पर गुजरात सहित देश भर में भूजल स्तर की मॉनिटरिंग की जाती है।

भूजल स्तरों में दीर्घकालिक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लिए, नवंबर 2024 के दौरान सीजीडब्ल्यूबी द्वारा एकत्र किए गए जल स्तर के आंकड़ों की तुलना बनासकांठा जिले सहित गुजरात राज्य के लिए नवंबर (2014-2023) की दशकीय औसत जल स्तर से की गई है। इसका विवरण **अनुलग्नक** में संलग्न है। गुजरात के भूजल स्तर में उतार-चढ़ाव संबंधी इन दीर्घकालिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि गुजरात राज्य में 88.11% कूपों के भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है तथा बनासकांठा में 93.3% कूपों के भूजल स्तर में वृद्धि हुई है।

(ख) से (घ): जल राज्य का विषय है। भूजल से संबंधित संसाधनों के सुधार हेतु उपाय करने सहित भूजल प्रबंधन का उत्तरदायित्व, मुख्यत: राज्य सरकारों का है। केन्द्र सरकार द्वारा अपनी विभिन्न स्कीमों और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता उपलब्ध कर राज्यों के प्रयासों को समर्थन प्रदान किया जाता है। तथापि, केन्द्र सरकार ने बनासकांठा और गुजरात सहित देश के भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इनमे से कुछ महत्वपूर्ण उपाय निम्नलिखित हैं: -

i. सरकार द्वारा वर्ष 2019 से देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) का कार्यान्वयन किया जा रहा है जो वर्षा संचयन और जल संरक्षण गतिविधियों के लिए मिशन मोड पर समयबद्ध कार्यक्रम है। इस समय देश में जेएसए 2024 का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिसमें गुजरात के 6 जिलों सहित 151 जल की कमी वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिनमें बनासकांठा भी शामिल है। जेएसए एक व्यापक अभियान है जिसके तहत विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के अभिसरण में विभिन्न भूजल पुनर्भरण और संरक्षण संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में जेएसए के अंतर्गत 2 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण पूरा कर लिया गया है/जारी है।

ii. गुजरात सहित देश के कुल मैपिंग योग्य क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय जलभृत मैपिंग अध्ययन किए गए हैं। बनासकांठा सहित गुजरात के कुल मैपिंग योग्य क्षेत्र को राष्ट्रीय जलभृत मैपिंग और प्रबंधन कार्यक्रम (नेक्यूम) के अंतर्गत शामिल किया गया है। मांग और आपूर्ति पक्ष उपायों से संबंधित सिफारिशों को शामिल करते हुए जिला-वार भूजल प्रबंधन योजनाएं तैयार की गई हैं। इन योजनाओ को कार्यान्वयन के लिए राज्य और जिला प्राधिकरणों के साथ साझा किया गया हैं।

iii. जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। यह योजना 7 राज्यों के जल की कमी वाले 80 जिलों में भूजल के मांग पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भागीदारी भूजल प्रबंधन हेतु समुदाय आधारित एक योजना है। इस योजना के तहत विभिन्न वर्षा जल संचयन और पुनर्भरण संरचनाओं जैसे चेक बांध, तालाब, शाफ्ट आदि के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाता है। बनासकांठा जिले सहित गुजरात राज्य के कुछ हिस्से इस स्कीम के अंतर्गत शामिल हैं।

iv. भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लिए मास्टर प्लान-2020 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के समन्वय से तैयार किया गया है, जिसमें परियोजना की व्यापक रूपरेखा और अपेक्षित निवेश संबंधी प्रावधान शामिल है। इस मास्टर योजना में 185 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) जल के संरक्षण के लिए देश में लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार की गई है। इस मास्टर प्लान को उपयुक्त उपायों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। गुजरात के लिए कुल 13.36 लाख वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं की सिफारिश की गई है, जिसमें बनासकांठा के लिए लगभग 21,000 संरचनाए शामिल हैं।

v. कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एवं एफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015-16 से गुजरात सहित देश में प्रति बूंद अधिक फसल योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। यह योजना सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता बढ़ाने और उपलब्ध जल संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए बेहतर ऑन-फार्म जल प्रबंधन प्रथाओं पर केंद्रित है।

vi. भारत सरकार द्वारा मिशन अमृत सरोवर योजना का आरंभ किया गया, जिसका उद्देश्य गुजरात सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार करना था। इसके परिणामस्वरूप देश में लगभग 69,000 अमृत सरोवर का निर्माण/ पुनरुद्धार किया गया है, जिनमें से 2,650 अमृत सरोवर गुजरात में और 99 बनासकांठा में हैं।

vii. गुजरात में अटल भूजल योजना और राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) जैसी विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के तहत वास्तविक समय आधार पर भूजल स्तर में उतार-चढ़ाव की मॉनीटरिंग के लिए कुल 3,078 डिजिटल जल स्तर रिकॉर्डर स्थापित किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक

"गुजरात में घटता भूजल-स्तर" के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1572 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

गुजरात राज्य के मानसून पश्चात 2024 के साथ मानसून पश्चात 2014 से 2023 के मध्य जल स्तर में (जिला-वार) दशकीय तुलना

क्रम संख्या	जिले का नाम	विश्लेषण किए गए कूपों की संख्या	निम्नलिखित सीमा में जल स्तर की गहराई (मी) में वृद्धि/गिरावट दर्शाने वाले कूपों की संख्या / प्रतिशत												कूपों की कुल संख्या			
			वृद्धि						गिरावट									
			0 से 2		2 से 4		> 4		0 से 2		2 से 4		> 4		वृद्धि		गिरावट	
			सं.	%	सं..	%	सं..	%	सं.	%	सं..	%	सं..	%	सं.	%	सं..	%
1	अहमदाबाद	6	5	83.3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	16.7	5	83.3	1	16.7
2	अमरेली	37	12	32.4	10	27	9	24.3	4	10.8	0	0	2	5.4	31	83.8	6	16.2
3	आनंद	12	9	75	1	8.3	1	8.3	1	8.3	0	0	0	0	11	91.7	1	8.3
4	अरवल्ली	12	5	41.7	3	25	3	25	1	8.3	0	0	0	0	11	91.7	1	8.3
5	**बनासकांठा**	**15**	**5**	**33.3**	**9**	**60**	**0**	**0**	**1**	**6.7**	**0**	**0**	**0**	**0**	**14**	**93.3**	**1**	**6.7**
6	भरूच	32	19	59.4	4	12.5	0	0	9	28.1	0	0	0	0	23	71.9	9	28.1
7	भावनगर	31	10	32.3	6	19.4	7	22.6	1	3.2	5	16.1	2	6.5	23	74.2	8	25.8
8	बोटाड	4	2	50	1	25	1	25	0	0	0	0	0	0	4	100.0	0	0.0
9	छोटाउदेपुर	21	9	42.9	7	33.3	3	14.3	2	9.5	0	0	0	0	19	90.5	2	9.5
10	दाहोद	25	10	40	11	44	1	4	3	12	0	0	0	0	22	88.0	3	12.0
11	डांग	22	14	63.6	2	9.1	0	0	6	27.3	0	0	0	0	16	72.7	6	27.3
12	देवभूमि द्वारका	17	7	41.2	6	35.3	2	11.8	2	11.8	0	0	0	0	15	88.2	2	11.8
13	गांधीनगर	1	1	100	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	100.0	0	0.0
14	गिर सोमनाथ	10	6	60	3	30	1	10	0	0	0	0	0	0	10	100.0	0	0.0
15	जामनगर	17	3	17.6	7	41.2	5	29.4	2	11.8	0	0	0	0	15	88.2	2	11.8
16	जूनागढ़	37	9	24.3	11	29.7	16	43.2	0	0	0	0	1	2.7	36	97.3	1	2.7
17	कच्छ	30	7	23.3	10	33.3	8	26.7	5	16.7	0	0	0	0	25	83.3	5	16.7
18	खेड़ा	12	6	50	2	16.7	3	25	1	8.3	0	0	0	0	11	91.7	1	8.3
19	महेसाणा	16	8	50	3	18.8	3	18.8	1	6.3	1	6.3	0	0	14	87.5	2	12.5
20	महिसागर	15	7	46.7	3	20	1	6.7	1	6.7	3	20	0	0	11	73.3	4	26.7
21	मोरबी	13	5	38.5	3	23.1	5	38.5	0	0	0	0	0	0	13	100.0	0	0.0
22	नर्मदा	19	12	63.2	4	21.1	0	0	3	15.8	0	0	0	0	16	84.2	3	15.8
23	नवसारी	18	13	72.2	5	27.8	0	0	0	0	0	0	0	0	18	100.0	0	0.0
24	पंच महल	21	8	38.1	8	38.1	5	23.8	0	0	0	0	0	0	21	100.0	0	0.0
25	पाटन	5	1	20	2	40	1	20	1	20	0	0	0	0	4	80.0	1	20.0
26	पोरबंदर	26	9	34.6	7	26.9	10	38.5	0	0	0	0	0	0	26	100.0	0	0.0

27	राजकोट	24	1	4.2	11	45.8	11	45.8	1	4.2	0	0	0	0	23	95.8	1	4.2
28	साबर कंठा	25	9	36	3	12	12	48	0	0	1	4	0	0	24	96.0	1	4.0
29	सूरत	24	17	70.8	3	12.5	3	12.5	1	4.2	0	0	0	0	23	95.8	1	4.2
30	सुरेंद्र नगर	26	17	65.4	4	15.4	2	7.7	3	11.5	0	0	0	0	23	88.5	3	11.5
31	तापी	12	8	66.7	3	25	1	8.3	0	0	0	0	0	0	12	100.0	0	0.0
32	वडोदरा	15	4	26.7	2	13.3	4	26.7	4	26.7	0	0	0	0	10	66.7	4	26.7
33	वलसाड	14	8	57.1	3	21.4	0	0	2	14.3	0	0	1	7.1	11	78.6	3	21.4
	कुल	**614**	**266**	**43.3**	**157**	**25.6**	**118**	**19.2**	**55**	**9**	**10**	**1.6**	**7**	**1.1**	**541**	**88.1**	**72**	**11.7**

*****